प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

क्रम संख्या S.No.	विषय (Topics)
1.	कबीरदास की काव्यगत विशेषताएं, – केवल साखी भाग की सप्रसंग व्याख्या।
2.	कबीर की भाषा शैली।
3.	कबीर की भक्ति–भावना।
4.	कबीर वाणी की तात्त्विक समीक्षा।
5.	सूरदास की काव्यगत विशेषताएं।
6.	सूरदास की भक्ति–भावना।
7.	सूरसागर का सार (गोकुल लीला)।
8.	सूरसागर के प्रमुख पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या (गोकुल लीला)।
9.	सूरसागर की तात्त्विक समीक्षा, शिल्प विधान।
10.	तुलसीदास की लेखन कुशलता एवं काव्यात्मक योगदान।
11.	रामचरितमानस – उत्तरकाण्ड दोहा सप्रसंग व्याख्या।
12.	तुलसीदास की भक्ति–भावना।
13.	जायसी की लेखन कुशलता।
14.	पद्मावत का सारांश।
15.	पद्मावत – सिंहलद्वीप वर्णन, खण्ड सार प्रमुख पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या।
16.	पद्मावत – नागमति वियोग खण्ड सार प्रमुख पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या।
17.	पद्मावत – बादल युद्ध खण्ड सार प्रमुख पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या।
18.	भ्रमरगीत – प्रथम 30 पदों की सप्रसंग व्याख्या।
19.	भ्रमरगीत की भाषा–शैली।
20.	भ्रमरगीत का अलंकार विधान।
21.	भ्रमरगीत की तात्विक समीक्षा।
22.	मीरा मुक्तावली : पद संख्या 21 से 70 तक की सप्रसंग व्याख्या।
23.	मीरा की भक्ति भावना।
24.	मीरा मुक्तावली का शिल्प–विधान।
25.	मीरा मुक्तावली का भाव पक्ष एवं कला पक्ष।
26.	मीरा मुक्तावली – भाषा शैली।
27.	घनानंद की लेखन कुशलता एवं काव्यात्मक योगदान।
28.	घनानंद कवित्त – प्रथम 50 पदों की सप्रसंग व्याख्या।
29.	घनानंद कवित्त का सार, घनानंद कवित्त में भक्ति–भावना।
30.	घनानंद कवित्त की भाषा–शैली।
31.	घनानंद कवित्त का शिल्प–विधान।
32.	घनानंद कवित्त का भाव पक्ष एवं कला पक्ष।